समष्टि अर्थशास्त्र
एक परिचय

कक्षा 12 के लिए अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक

© NCERT
not to be republished

© NCERT
not to be republished

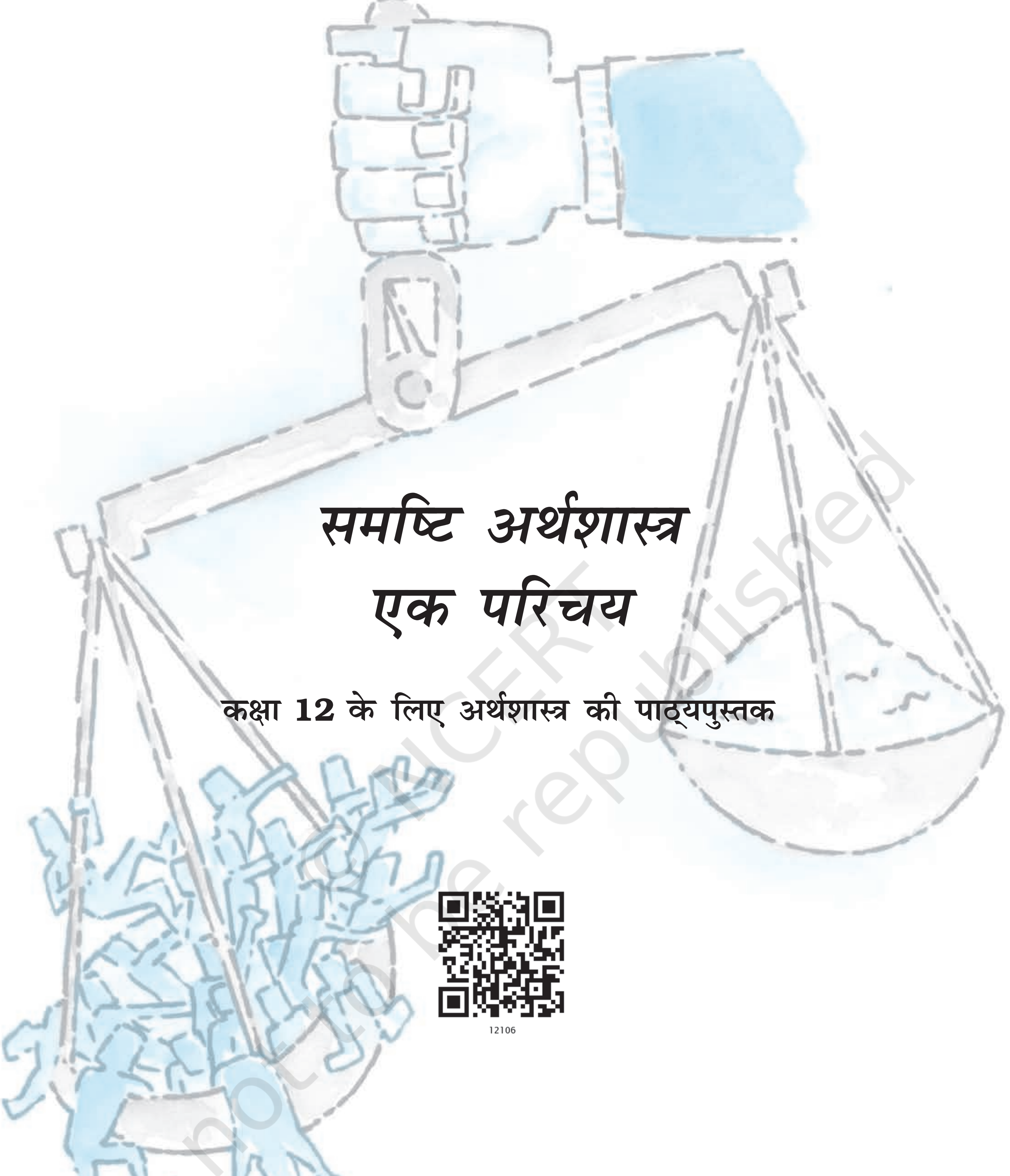

समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय

कक्षा 12 के लिए अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक

12106

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

© NCERT
not to be republished

12106 – समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय
कक्षा 12 के लिए अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक

ISBN 81-7450-750-7

प्रथम संस्करण
मई 2007 वैशाख 1929

पुनर्मुद्रण
नवंबर 2007, मार्च 2009,
जनवरी 2010, जनवरी 2011,
जनवरी 2012, दिसम्बर 2013,
जनवरी 2016, फ़रवरी 2017,
जनवरी 2018, जनवरी 2019,
नवंबर 2019, अगस्त 2021 और
नवंबर 2021

संशोधित संस्करण
मार्च 2024 चैत्र 1946

PD 15T SU

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2007, 2022

₹ 105.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110016 द्वारा प्रकाशित तथा एस.डी.ए. प्रिंट 'एन' पैक, डी-19, सेक्टर-बी1, ट्रॉनिका सिटी इंडस्ट्रियल एरिया, लोनी, ज़िला गाज़ियाबाद- 201 102 (उ.प्र.) द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III स्टेज
बेंगलुरु 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगांव
गुवाहाटी 781021 फोन : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	*अनूप कुमार राजपूत*
मुख्य संपादक	:	*श्वेता उप्पल*
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	*अरुण चितकारा*
मुख्य व्यापार प्रबंधक (प्रभारी)	:	*अमिताभ कुमार*
सहायक संपादक	:	*गोबिंद राम*
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	*सुनील कुमार*

आवरण, सज्जा एवं चित्रांकन

निधि वधवा

कार्टोग्राफ़ी

इरफ़ान

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक विद्यालय और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफ़ी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि विद्यालयों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है जितनी वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक विद्यालय में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में विचार-विमर्श और ऐसी गतिविधियों को प्राथमिकता देती है जिन्हें करने के लिए व्यावहारिक अनुभवों की आवश्यकता होती है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति के अध्यक्ष हरि वासुदेवन, *प्रोफ़ेसर* और

© NCERT not to be republished

इस पाठ्यपुस्तक समिति के मुख्य सलाहकार तापस मजूमदार, *एमेरिटस प्रोफ़ेसर* की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान किया, इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा मृणाल मीरी, *प्रोफ़ेसर* एवं जी.पी. देशपांडे, *प्रोफ़ेसर* की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
20 नवंबर 2006

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन

कोविड-19 महामारी को देखते हुए, विद्यार्थियों के ऊपर से पाठ्य सामग्री का बोझ कम करना अनिवार्य है। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020* में भी विद्यार्थियों के लिए पाठ्य सामग्री का बोझ कम करने और रचनात्मक नज़रिए से अनुभवात्मक अधिगम के अवसर प्रदान करने पर ज़ोर दिया गया है। इस पृष्ठभूमि में, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने सभी कक्षाओं में पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित करने की शुरुआत की है। इस प्रक्रिया में रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा पहले से ही विकसित कक्षावार सीखने के प्रतिफलों को ध्यान में रखा गया है।

पाठ्य सामग्रियों के पुनर्संयोजन में निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखा गया है –

- एक ही कक्षा में अलग-अलग विषयों के अंतर्गत समान पाठ्य सामग्री का होना;
- एक कक्षा के किसी विषय में उससे निचली कक्षा या ऊपर की कक्षा में समान पाठ्य सामग्री का होना;
- कठिनाई स्तर;
- विद्यार्थियों के लिए सहज रूप से सुलभ पाठ्य सामग्री का होना, जिसे शिक्षकों के अधिक हस्तक्षेप के बिना, वे खुद से या सहपाठियों के साथ पारस्परिक रूप से सीख सकते हों;
- वर्तमान संदर्भ में अप्रासंगिक सामग्री का होना।

वर्तमान संस्करण, ऊपर दिए गए परिवर्तनों को शामिल करते हुए तैयार किया गया पुनर्संयोजित संस्करण है।

© NCERT not to be republished

© NCERT
not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति

हरि वासुदेवन, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता

मुख्य सलाहकार

तापस मजूमदार, *एमेरिटस प्रोफ़ेसर*, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सलाहकार

सतीश जैन, *प्रोफ़ेसर*, आर्थिक नियोजन तथा अध्ययन संस्थान, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सदस्य

देवर्षि दास, *लेक्चरर*, अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

मालबिका पाल, मिरांडा हाउस, दिल्ली

संमित्रा घोष, सेंट पॉल कॉलेज, सी–19, कोलकाता

सोमयाजीत भट्टाचार्य, किरोरीमल कॉलेज, दिल्ली

सदस्य समन्वयक

जया सिंह, *लेक्चरर*, अर्थशास्त्र, डी.ई.एस.एस., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देने के लिए शिक्षाविदों तथा विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करती है। हम सुब्रतो गुहा, *सहायक प्रोफ़ेसर,* जे.एन.यू. को पूरी पांडुलिपि को आद्योपांत पढ़ने तथा उसमें वांछित परिवर्तनों के लिए सुझाव देने हेतु आभार व्यक्त करते हैं। हम सुनील आसरा, प्रबंध विकास संस्थान, गुड़गाँव, हरियाणा को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं। हम अपने सहकर्मियों– नीरजा रश्मि, *रीडर* पाठ्यचर्या समूह; एम.वी. श्रीनिवासन, असीता रविंद्रन, प्रतिमा कुमारी, *लेक्चरर* सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग का उनके द्वारा प्रदत्त सामग्री तथा सुझाव के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

हम स्व. दीपक बैनर्जी, *प्रोफ़ेसर* (सेवानिवृत) प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता को उनके बेशकीमती सुझावों के लिए सदैव स्मरण रखेंगे। अगर उनका स्वास्थ्य साथ देता तो हम उनके अनुभवों से और भी लाभान्वित होते।

हम इन के प्रति भी आभारी हैं: प्रमोद कुमार झा, *अनुवादक;* श्री कामना नन्द मिश्र, *मुख्य उपसंपादक (पत्रकार),* दैनिक जागरण, नोएडा; रामतप पांडेय, *पूर्व सहायक निदेशक,* वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग; ओ.पी. अग्रवाल, *प्रोफ़ेसर* (सेवानिवृत्त), मेरठ विश्वविद्यालय; एच.के. गुप्ता, बाबूराम सर्वोदय बाल विद्यालय, शाहदरा, दिल्ली एवं रमेश चन्द्रा, *पूर्व रीडर,* राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नयी दिल्ली।

पुस्तक के विकास में सहयोग के लिए हम सविता सिन्हा, *प्रोफ़ेसर* एवं *विभागाध्यक्ष,* सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हमें हर संभव सहयोग दिया।

पुस्तक के विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग के लिए परिषद् दिनेश कुमार, *प्रभारी,* कंप्यूटर कक्ष, मुक़द्दस आज़म, जय प्रकाश राय, गुरिंदर सिंह तथा अर्चना गुप्ता, *डी.टी.पी. ऑपरेटर;* विनय शंकर पांडेय, सतीश झा एवं अवध किशोर सिंह, *कॉपी एडीटर* तथा बबीता झा, *प्रूफ रीडर* के भी आभारी हैं। प्रकाशन विभाग द्वारा हमें पूर्ण सहयोग एवं सुविधाएँ प्राप्त हुईं, इसके लिए हम उनका भी आभार व्यक्त करते हैं।

इस पाठ्यपुस्तक की समीक्षा ओ.पी.अग्रवाल, *प्रोफ़ेसर* (सेवानिवृत्त); अर्चना अग्रवाल, *सहायक प्रोफ़ेसर,* हिन्दू कॉलेज; लोकंद्र कुमादत, *सहायक प्रोफ़ेसर,* रामजस कॉलेज, टी.एम. थॉमस, *एसोसिएट प्रोफ़ेसर* (सेवानिवृत्त), देशबंधु कॉलेज और रश्मि शर्मा, *सहायक प्रोफ़ेसर,* डेल्ही कॉलेज ऑफ़ आर्टस एंड कॉमर्स। इसके योगदान को विधिवत स्वीकार किया गया।

परिषद् तम्पाक्म्यूम अलन मुस्तफ़ा, *जे.पी.एफ़.;* अमजद हुसैन और फरहीन फातिमा, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* का भी आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने इस पुस्तक को आकार देने में योगदान दिया है।

© NCERT not to be republished

विषय-सूची

आमुख v

1. परिचय **1**

1.1 समष्टि अर्थशास्त्र का उद्‌भव 4

1.2 समष्टि अर्थशास्त्र की वर्तमान पुस्तक का संदर्भ 6

2. राष्ट्रीय आय का लेखांकन **9**

2.1 समष्टि अर्थशास्त्र की कुछ मूलभूत संकल्पनाएँ 9

2.2 आय का वर्तुल प्रवाह और राष्ट्रीय आय गणना की विधि 15

2.2.1 उत्पाद अथवा मूल्यवर्धित विधि 17

2.2.2 व्यय विधि 22

2.2.3 आय विधि 23

2.2.4 साधन लागत, आधारित कीमतें तथा बाज़ार कीमतें 25

2.3 कुछ समष्टि अर्थशास्त्रीय तादात्म्य 26

2.4 मौद्रिक और वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद 31

2.5 सकल घरेलू उत्पाद और कल्याण 33

3. मुद्रा और बैंकिंग **38**

3.1 मुद्रा के कार्य 38

3.2 मुद्रा की माँग और मुद्रा की पूर्ति 40

3.2.1 मुद्रा की माँग 40

3.2.2 मुद्रा की पूर्ति 40

3.3 बैंकिंग व्यवस्था द्वारा साख सृजन 42

3.3.1 एक काल्पनिक बैंक का चिट्‌ठा 42

3.3.2 सारा सृजन की सीमाएँ तथा मुद्रा-गुणक 43

3.3 मुद्रा पूर्ति के नियंत्रण के नीतिगत उपकरण 45

4. आय और रोजगार के निर्धारण **56**

4.1 समग्र माँग तथा इसके अवयव 56

4.1.1 उपभोग 57

© NCERT not to be republished

4.2 दो-सेक्टर मॉडल में आय का निर्धारण 59
4.3 लघु अवधि में संतुलन आय का निर्धारण 60
4.3.1 स्थिर कीमत स्तर के साथ समष्टि अर्थशास्त्रीय संतुलन 60
4.3.2 समग्र माँग में परिवर्तन का आय तथा उत्पादन पर प्रभाव 63
4.3.3 गुणक क्रियाविधि 64
4.4 कुछ अन्य संकल्पनाएँ 68

5. सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था 70

5.1 सरकारी बजट-अर्थ तथा इसके अवयव 70
5.1.1 सरकारी बजट के उद्देश्य 70
5.1.2 प्राप्तियों का वर्गीकरण 72
5.1.3 पूँजीगत लेखा 73
5.2 संतुलित, अधिशेष एवं घाटा बजट 75
5.2.1 सरकारी घाटे की माप 76

6. खुली अर्थव्यवस्था – समष्टि अर्थशास्त्र 90

6.1 अदायगी-संतुलन 91
6.1.1 चालू खाता 91
6.1.2 पूँजी खाता 93
6.1.3 अदायगी-संतुलन और घाटा 94
6.2 विदेशी विनिमय बाज़ार 96
6.2.1 विदेशी विनिमय दर 96
6.2.2 विनिमय दर का निर्धारण 97
6.2.3 तिरती और स्थिर विनिमय दर प्रणालियों के गुण और दोष 100
6.2.4 प्रबंधित तिरती 100

शब्दावली 106

© NCERT not to be republished